फसल बीमा : केंद्र और दो बीमा कंपनियों को नोटिस

वरीय संवाददाता, रांची

झारखंड हाइकोर्ट ने दो वर्ष के फसल बीमा मुआवजा राशि (बीमित राशि का 25 प्रतिशत) के भुगतान को लेकर दायर जनहित याचिका पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शुक्रवार को सुनवाई हुई. चीफ जस्टिस डॉ रवि रंजन व जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के जवाब को देखने के बाद केंद्र सरकार और दो बीमा कंपनियों को प्रतिवादी बनाते हुए नोटिस जारी किया.

मामले की सुनवाई दो सप्ताह के लिए स्थगित कर दी गयी. इससे पूर्व प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता अनूप कुमार अग्रवाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से खंडपीठ को बताया कि 2016-2017 व 2017-2018 में राज्य में बारिश की कमी के कारण बुआई कम हुई थी. प्रावधान के अनुसार प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में शामिल किसानों को बीमित राशि का 25 प्रतिशत बतौर मुआवजा भुगतान किया जाना चाहिए था, लेकिन अब तक किसानों को मुआवजा राशि का भुगतान नहीं किया गया है.

निचली अदालतों के दस्तावेजों का डिजिटाइजेशन जरूरी

रांची. हाइकोर्ट ने राज्य के सिविल कोर्ट परिसरों की सुरक्षा को लेकर दायर जनहित याचिकाओं पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शुक्रवार को सुनवाई की. चीफ जस्टिस डॉ रवि रंजन व जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान मौखिक रूप से कहा कि निचली अदालतों के दस्तावेजों का डिजिटाइजेशन जरूरी है. इससे रिकॉर्ड गायब होने की शिकायत भी नहीं रहेगी. डिजिटाइजेशन हो जाने पर भौतिक रूप से दस्तावेजों को रखने के लिए कम जगह की जरूरत होगी. कागजों की भी बचत होगी. खंडपीठ ने कहा कि हाइकोर्ट में भी डिजिटाइजेशन का कार्य जारी है. यहां अधिवक्ताओं को ऑनलाइन सर्टिफाइड कॉपी निकालने, ई-फाइलिंग आदि की सुविधा दी गयी है.

बीमार कैदियों को बाहरी अस्पताल में मिलेगी सेवादार की सुविधा

विशेष संवाददाता, रांची

बीमार कैदियों को जेल से बाहर अस्पताल इलाज के दौरान अब सेवादार की सुविधा मिलेगी. सेवादार की सुविधा सिर्फ वैसे ही कैदियों को मिलेगी, जो शारीरिक रूप से अपना काम करने में असमर्थ हों. हालांकि देश द्रोह, उग्रवाद और संगठित अपराध के कैदियों को यह सुविधा नहीं मिलेगी. राज्य सरकार ने इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया है. यह आदेश लालू प्रसाद बनाम राज्य सरकार के मामले में जारी किया गया है. सजायाफ्ता कैदियों को सेवादार की सुविधा देने के मामले में उपायुक्त और विचाराधीन कैदियों के मामले में न्यायालय के पीठासीन पदाधिकारी को फैसला करने का अधिकार होगा.

गृह विभाग के संयुक्त सचिव सतीश कुमार के हस्ताक्षर से जारी आदेश में कहा गया है कि बीमार कैदी के रिश्तेदार या करीबी लोगों को सेवादार के रूप में नियुक्त किया जा सकेगा. आपराधिक मामलों में फंसे, इसमें शामिल रहने या संक्रमण फैलानेवाली किसी बीमारी से ग्रसित किसी व्यक्ति को सेवादार के रूप में काम करने की अनुमति नहीं दी जायेगी. बीमार कैदी के सेवादार के रूप में काम करने के लिए कैदी के रिश्तेदारों या करीबी लोगों के दो नाम मांगे जायेंगे. पुलिस द्वारा संबंधित व्यक्ति के मामले की जांच कराने के बाद ही उसे सेवादार के रूप में काम करने की अनुमति दी जायेगी.

सेवादार पर भी जेल मैनुअल लागू होगा : सेवादार की सुविधा चाहनेवाले कैदी इससे संबंधित आवेदन काराधीक्षक को सौंपेंगे. काराधीक्षक पुलिस से जांच कराने के बाद अपनी अनुशंसा भेजेंगे. इसके बाद उपायुक्त या न्यायालय के पीठासीन पदाधिकारी इस पर फैसला करेंगे. सेवादार पर भी जेल मैनुअल में निहित प्रावधानों के तहत कुछ पाबंदियां होंगी. वह कोई प्रतिबंधित वस्तु लेकर कैदी के पास नहीं जायेगा. सेवादार भी कैदी के साथ रहने के दौरान मोबाइल फोन, इंटरनेट का इस्तेमाल नहीं करेगा. सेवादार, बीमार कैदी के सिलसिले में सिर्फ घरेलू डॉक्टर से बात करेगा. कैदी के लिए दवा आदि लाने के लिए बाहर जाने के लिए सेवादार को सुरक्षा गार्ड से अनुमति लेनी होगी.

तो कैदी संग रहेगा सेवादार

अगर कैदी के कमरे में सेवादार के रहने की सुविधा हो, तो वह कैदी के साथ रह सकता है. साथ रहने की सुविधा नहीं होने पर सेवादार बाहर रहेगा और कैदी की मदद के लिए आता-जाता रहेगा. समय समय पर कैदी और सेवादार का निरीक्षण किया जायेगा. सेवादार द्वारा शर्तों का उल्लंघन करने पर कैदी को दी गयी सेवादार की सुविधा समाप्त कर दी जायेगी.

Barwa Adda Expressway Limited
The IL&FS Financial Center, Plot C-22, G Block, Bandra Kurla Complex, Mumbai-400051. **Tel.:** +91 022-26533333, **Facsimile:** +91 022-26523979,
E-mail: itnl.projectbids@itnlindia.com, **Website:** www.itnlindia.com
CIN:U60200MH2005PLC151958

BAEL/ADM/NEW/2021/BT work_1 February 06, 2021

NOTICE INVITING TENDER (NIT)

Barwa Adda Expressway Limited intends to invite tender for **Immediate Major Maintenance /Major Repair works in Barwa Adda Expressway Limited in the States of Jharkhand and in West Bengal Section** stretch developed by **Barwa Adda Expressway Limited. Bid document may be downloaded** from the website **www.itnlindia.com** from **February 06, 2021 (11:00 Hrs) to February 14, 2021 (18:00 Hrs).** Bid must be submitted on or before **February 15, 2021 (11:00 Hrs)** to **email id : itnl.projectbids@itnlindia.com,** via soft copy mode and hard copy to be sent to BAEL office address as mentioned in RFP. Submitted Technical Bids will be opened on **15 February , 2021 (15:00 Hrs).** All the particulars and amendments related to this NIT can be viewed on the above said website. Interested agencies/firms may submit their bids as per eligibility criteria stated in the tender document. All the bids heavy in size can be submitted via link.
(Tentative Quantities of Proposed works, Patchwork / Pothole Repair: - 2,000 Sqm, Milling: - 13,500 Cum, WMM:- 4,000 Cum, DBM – 8,500 Cum BC – 6,000 Cum, Paver Blocks:- 9,500 Sqm, Pavement Marking– 4,500 Sqm)

Authorized Signatory
Barwa Adda Expressway Limited

INDIRA GANDHI INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
(A Super Speciality, Autonomous Institute Of Govt. Of Bihar)
IGIMS Medical College, IGIMS Nursing College
Sheikhpura, Patna-14. EPBX:0612-2297099/2297631, Website: www.igims.org

Only through E-tendering process on website www.eproc.bihar.gov.in
Tender Notice No.-Engg./13/CW and EW/E-Tender/2020-21
SHORT URGENT TENDER NOTICE

Indira Gandhi Institute of Medical Science, Sheikhpura, Patna invites Tender in two bid system i.e. Percentage rate for schedule item and item rate for Non schedule item for all Works as mentioned in Contract document (Technical and Financial) are invited through e-tendering process from (www.eproc.bihar.gov.in) eligible and qualified contractor as detailed below:

Name of the work	Estimated cost (In Rs.)	Earnest Money (In Rs.)	Cost of Bid document (In Rs.)	Bid Processing Fee (In Rs.)	Time of Completion
Alteration and Modernization work of Ground Floor Entrance lobby of Administrative Block, Medical College Block and Library Block of New Medical College Building at IGIMS, Patna	2,88,96,000/-	5,78,000/-	10,000/-	17,700/-	210 Days

Details and Schedule of Tender can be seen or downloaded from website www.eproc.bihar.gov.in
Director, IGIMS, Patna

डॉ आशा सिंह के पुत्र पीयूष तीन दिनों से लापता

रांची. रिम्स के स्त्री एवं प्रसूति विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ आशा सिंह के पुत्र पीयूष कांत सिंह तीन फरवरी की सुबह पांच बजे से लापता हैं. बरियातू के टैगोर हिल निवासी पीयूष कांत की मां के बयान पर बरियातू थाना में सनहा दर्ज कराया गया है. पीयूष आइआइटी के कंप्यूटर साइंस के छात्र रहे हैं. वह 2003 से अपने घर में कोचिंग चला रहे हैं. शुक्रवार को उनका लास्ट लोकेशन रामगढ़ में मिला है. लेकिन वह किधर निकल गये, इसका अभी तक पता नहीं चल पाया है.

जीइएल चर्च के पूर्व डिप्टी मॉडरेटर का निधन

रांची. जीइएल चर्च छोटानागपुर व असम के पूर्व डिप्टी मोडरेटर सह साउथ इस्ट डायसिस के पूर्व बिशप जोलेन मार्शल टोपनो का निधन शुक्रवार की सुबह 10 बजे हो गया. उन्हें डायलिसस के लिए रांची लाया जा रहा था. उनका अंतिम संस्कार शनिवार को उनके पैतृक गांव रायकेरा, कामडारा में दिन के 10 बजे किया जायेगा.

टोपनो को श्रद्धांजलि दी : झारखंड पार्टी (होरो) के कार्यालय में पार्टी के संरक्षक बिशप जेएम टोपनो के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गयी. कार्यकर्ताओं ने इसे पार्टी के लिए अपूरणीय क्षति बताया. उन्होंने कहा कि बिशप टोपनो हमेशा पार्टी व झारखंड आंदोलन को मार्गदर्शन और प्रेरणा देते रहे. शोकसभा में रिलेन होरो, सोमा मुंडा, अजय टोपनो, मोनरेन टोपनो, निकोदिम लकड़ा, रास होरो, संजय कुजूर, डॉ विजय होरो, विजय आईंद व अन्य उपस्थित थे.

अखबार वितरक की मां का निधन

रांची. चुटिया के अखबार वितरक प्रकाश महतो की मां 81 वर्षीय रश्मि देवी का निधन हो गया है. प्रकाश सामलौंग नया टोली में रहते हैं. उनके पुत्र प्रकाश ने उन्हें मुखाग्नि दी. अंतिम यात्रा कार्यक्रम में गौतम देव, भुवनेश्वर कुमार, राजेश प्रसाद, राजेंद्र महतो, प्रभात खबर के अभिकर्ता विकास कुमार, सुनील केसरी सहित अन्य शामिल हुए.

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति कार्यक्रम 10 से 20 तक

रांची. बच्चों को कृमि संक्रमण से बचाव के लिए राष्ट्रीय कृमि मुक्ति कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 10 से 20 फरवरी तक किया जायेगा. कोविड-19 की वजह से स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र बंद रहने के कारण सहिया तथा आंगनबाड़ी सेविका, 10 से 20 फरवरी तक घर-घर जाकर एक से 19 वर्षीय बच्चों को कृमि मुक्ति दवा अल्बेंडाजोल देंगी. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक रविशंकर शुक्ला ने बताया कि राज्य में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति कार्यक्रम का आयोजन राज्य के 16 जिलों चतरा, देवघर, दुमका, गढ़वा, गिरीडीह, गोड्डा, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, कोडरमा, लोहरदगा, पाकुड़, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, रांची व सिमडेगा में किया जायेगा. शेष जिलों के बच्चों को अप्रैल में दवा खिलायी जायेगी.

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय
भारत सरकार

प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना के तहत मेगा फूड पार्क स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता

प्रस्ताव आमंत्रण

खेत से बाजार तक मूल्य श्रृंखला के साथ खाद्य प्रसंस्करण हेतु आधुनिक आधारभूत सुविधाएं प्रदान करने के लिए देश में प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (पीएमकेएसवाई) के मेगा फूड पार्क योजना (एमएफपीएस) के तहत मेगा फूड पार्क स्थापित करने के लिए सशक्त प्रमोटरों / निवेशकों से प्रस्ताव / इच्छा की अभिव्यक्ति (इओआई) आमंत्रित किये जाते हैं.

इच्छुक प्रमोटर / निवेशक अपने प्रस्ताव मेगा फूड पार्क योजना के दिशा निर्देशों दिनांक 21.07.2016 के अनुसार पोर्टल अर्थात् http: // sampada-mofpi.gov.in/mfp/login.aspx के माध्यम से केवल ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकते हैं. **आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 03.03.2021 को शाम 5:00 बजे तक है.**

योजना के विस्तृत परिचालन दिशानिर्देशों, इच्छा की अभिव्यक्ति (ईओआई), ईएमडी की आवश्यकता इत्यादि के लिए मंत्रालय की वेबसाइट: **www.mofpi.nic.in** पर देख सकते हैं.

स्पष्टीकरण के लिए, यदि कोई हो, तो कृपया दूरभाष नंबर- 011-26406547, ईमेल: mfp-mofpi@gov.in पर संपर्क करें.

@MOFPI_GOI @MOFPIIndia
davp 16101/11/0008/2021

एचइसी कर्मियों के पास उत्पादन वृद्धि के अलावा कोई विकल्प नहीं : राणा

रांची. हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन के महामंत्री राणा संग्राम सिंह ने कहा कि एचइसी कर्मियों के समक्ष उत्पादन वृद्धि के अलावा कोई विकल्प नहीं है. वेतन, बिजली, स्वास्थ्य, कैंटीन भत्ता सहित अन्य सभी खर्चे व विभिन्न तरह की सुविधाएं उत्पादन व बिक्री पर ही निर्भर करता है. श्री सिंह ने उक्त बातें शुक्रवार को एफएफपी गेट के समक्ष वेतन पुनरीक्षण जल्द करने एवं केंद्र सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों के विरोध में यूनियन द्वारा किये गये प्रदर्शन के बाद उपस्थित कामगारों को संबोधित करते हुए कही. उन्होंने कहा कि मार्च तक 333 करोड़ रुपये के उत्पादन लक्ष्य में दिसंबर तक मात्र 106 करोड़ रुपये का उत्पादन हुआ है. जबकि एक वर्ष में 150 करोड़ रुपये से ज्यादा वेतन में ही खर्च हो रहा है. उन्होंने कहा कि एचइसी के पास कार्यादेश दो हजार करोड़ रुपये से ज्यादा होने के बाद भी कार्यशील पूंजी के कारण उत्पादन कम हो रहा है. यूनियन कर्मचारियों की मांगों के साथ है, लेकिन कर्मियों को कंपनी के बारे में भी ध्यान देना चाहिए. कंपनी रहेगी, तभी कामगारों का भविष्य सुरक्षित है और तभी यूनियन भी मांगों को लेकर लड़ेगी. उन्होंने कहा कि बढ़ती हुई महंगाई में प्रबंधन को अविलंब दो हजार रुपये तदर्थ राशि या अंतरिम राहत भुगतान पर जल्द निर्णय लेना चाहिए.

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया
Central Bank of India
1911 से आपके लिए "केंद्रित" "CENTRAL" TO YOU SINCE 1911

चास शाखा बोकारो

इ-नीलामी
अचल सम्पत्तियों की बिक्री सूचना

परिशिष्ट-IV-ए [नियम 8 (6) प्रावधान देखें]

अचल संपत्ति की बिक्री हेतु सूचना

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुर्णनिर्माण तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 (सरफेसी एक्ट) के अन्तर्गत प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के नियम 8 (6) के साथ पढे, के अधीन अचल संपत्तियों के इ-नीलामी द्वारा बिक्री सूचना.

आमलोगों को साधारण रूप से तथा उधारकर्त्ता एवं जमानतदारों को विशेष रूप से एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित बंधक/गिरवी पर लिए गये अचल संपत्ति जो प्राधिकृत अधिकारी के पास सुरक्षा प्रभार के रूप में गिरवी है. जिसका प्रत्यक्ष अधिपत्य सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया, **चास शाखा** के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया जा चुका है. प्राधिकृत अधिकारी द्वारा **''जहाँ है जैसा है, जो कुछ भी है के आधार पर''** दिनांक **26.02.2021** को **रूपया 6,76,77,242 (छः करोड़ छिहत्तर लाख सत्तहत्तर हजार दो सौ बियालीस रूपये मात्र)** सह अद्यतन ब्याज एवं अन्य खर्च की वसूली उधारकर्ता **मेसर्स श्री साई इण्टर प्राइजेज, प्रोपराइटर-श्री सौरभ सिंह पिता- अविनाश कुमार सिंह** एवं **जमानतदार-श्री अविनाश कुमार सिंह, पिता- श्री विन्देश्वरी सिंह एवं श्रीमती सुधा सिंह पति- श्री अविनाश कुमार सिंह** से इ-नीलामी द्वारा सार्वजनिक बिक्री द्वारा की जायेगी.

सम्पत्तियों के विवरण एवं आरक्षित मूल्य

खाता/ऋणकर्ता एवं जमानतदार का नाम	अचल सम्पति/यों का विवरण	सुरक्षित ऋणदाता को ज्ञात, संपत्ति पर अधिभार	आरक्षित मूल्य / अग्रिम जमा राशि	नीलामी की तिथि
खाता :- मेसर्स श्री साई इण्टर प्राइजेज प्रोपराइटर :- श्री सौरभ सिंह पिता- अविनाश कुमार सिंह जमानतदार :- 1. श्री अविनाश कुमार सिंह पिता- श्री विन्देश्वरी सिंह 2. श्रीमती सुधा सिंह पति- श्री अविनाश सिंह	भु-सम्पत्तियों के सभी भाग एवं अंश जो श्रीमती सुधा सिंह पति श्री अविनाश कुमार सिंह, सम्बंधित सेल डीड संख्या- 1834/1998 दिनांक 30.07.2012 अधीन खाता संख्या-1, सर्वे प्लाट सं.- 545, सव प्लॉट सं0 545/64 रकवा- 2.33 डिसमल, खाता सं0-1, सर्वे प्लॉट संख्या-545, सव प्लॉट संख्या- 545/65, रकवा- 3.13 डिसमल, खाता संख्या- 38, सर्वे प्लॉट संख्या- 546, सव प्लॉट सं0 546/64 रकवा- 8.00 डिसमल, खाता सं0-38 सर्वे प्लॉट सं0-546, सव प्लॉट सं 546/65, रकवा- 7.20 डिसमल, कुल रकवा- 20.66 डिसमल, मौजा- दलादली, थाना- नगड़ी, थाना सं0- 133, जिला- राँची (झारखंड) चौहद्दी :- उत्तर में :- 20 फीट चौड़ा प्रस्तावित रास्ता, दक्षिण में:- सव प्लॉट सं0- 545 एवं 546/65 पूरब:- 20 फीट चौड़ा प्रस्तावित रास्ता पश्चिम में :- सर्वे प्लॉट सं0 546/अंश	हमारे अतिरिक्त कुछ नहीं	Rs. 1,03,16,700/- Rs. 10,31,700/-	26/02/2021

बिक्री की विस्तृत नियम एवं शर्तों की जानकारी हेतु कृपया सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया की वेबसाइट, **https://www.centralbankofindia.co. in** अथवा **visit https://ibapi.in/** एवं **https://www.mstcecommerce.com/auctionhome/ibapi/index.jspor** पर जाएँ अथवा **शाखा प्रबंधक, चास शाखा, (मोबाइल नं0 8298196628)** से मिलें.

दिनांक: 03.02.2021
स्थान: धनबाद

विवाद की स्थिति में अंग्रेजी पाठ्य मान्य है

ह0/- प्राधिकृत अधिकारी
सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया

पुराने जोड़ो के दर्द का असरदार ईलाज

आयुर्वेदिक तेल/कैप्सूल
डा.ऑर्थो®

डा. ऑर्थो ही क्यूं खरीदें ?

गांव-गांव, शहर-शहर, जिसने भी अपनाया-परिणाम पाया

Rajasthan — मोहम्मद जावेद कुरैशी 29 वर्ष ने लिखा कि कुछ समय पहले मेरा एक्सीडेंट हुआ था। जब मैंने दवाइयां बंद की तो घुटनों में बड़ा दर्द रहने लगा। मैं बहुत परेशान था। फिर एक दिन मेरे दोस्त ने आयुर्वेदिक डा. ऑर्थो तेल और कैप्सूल यूज करने की सलाह दी। मैंने इसे यूज किया और अब दर्द क्या है मैं भूल ही गया।

Uttrakhand — लक्ष्मी बेनर्जी उम्र 56 वर्ष, पिछले 2-3 सालों से कमर दर्द और शाइटिका का दर्द रहने लगा था, कहीं जाने के नाम से ही डर लगता था। मैंने पूरी उम्मीद के साथ डा. ऑर्थो तेल सुबह-शाम घुटनों पर लगाया व नियमित रूप से कैप्सूल खाने शुरू किए। सिर्फ दो-तीन हफ्तों में ही 70 प्रतिशत आराम आ गया।

Gujarat — विनोद भाई, उम्र 56 वर्ष, प्राइवेट सर्विस में हैं और एथलीट प्लेयर रहे हैं। पिछले 4-5 सालों से इन्हें दाये घुटने और बॉडी में दर्द की शिकायत थी। इन्होंने अखबार में आयुर्वेदिक डा. ऑर्थो तेल और कैप्सूल का विज्ञापन देखा व इसका इस्तेमाल किया। वह बताते हैं कि वे 4 माह में ही पहले से बहुत अच्छा फील कर रहे हैं।

Bihar — नंद किशोर विश्वकर्मा उम्र 40 वर्ष, काफी समय से मुझे जोड़ों में दर्द की शिकायत थी। चलते - फिरते घुटने में से आवाज महसूस होती थी। दोस्त के कहने पर मैंने आयुर्वेदिक डा. ऑर्थो तेल एवं कैप्सूल रोजाना लेने शुरू किए। मुझे इससे बहुत फायदा मिला। आज मैं ठीक तरह से उठ-बैठ सकता हूं।

Gujarat — मेरा नाम लक्ष्मी बेन सोलंकी, उम्र 52 वर्ष है। मैं सिलाई का काम करती हूं। दो साल से मेरे पैरों और एड़ियों में भयंकर दर्द था। फिर मुझे आयुर्वेदिक डा. ऑर्थो तेल और कैप्सूल के बारे में पता चला। सिर्फ पचास दिनों के इस्तेमाल से मुझे काफी और बेहतर आराम मिला है। मैं आपको थैंक्स कहना चाहती हूँ।

Haryana — संजू कुमार उम्र 33 वर्ष, लाइब्रेरी में काम करते हैं। उन्होंने लिखा कि 3-4 सालों से मेरे कंधों और गर्दन में दर्द था। इलाज भी करवाया लेकिन कोई फर्क नहीं पड़ा। एक दिन मैंने अखबार में डा. ऑर्थो तेल और कैप्सूल का ऐड देखा। मैंने निर्देशानुसार डा. ऑर्थो तेल और कैप्सूल का सुबह-शाम यूज किया। अब मैं ठीक हूँ।

Maharashtra — आनंदा लक्ष्मण गुजलावर 64 वर्षीय सेवानिवृत कर्मचारी हैं। पिछले चार पांच सालों से उनके घुटनों में बहुत दर्द था। फिर एक पड़ोसी के कहने पर इन्होंने डा. ऑर्थो आयुर्वेदिक तेल की सुबह शाम हलके हाथ से मालिश की एवं डा. ऑर्थो के दो-दो कैप्सूल तीन महीने तक इस्तेमाल किए। आज वे खुश हैं।

Uttar Pradesh — मुमताज बेगम 67 वर्षीय हाउस वाइफ हैं। पिछले 3 सालों से घुटनों और पैरों के दर्द से चला भी नहीं जा रहा था। हर इलाज करवाया लेकिन कोई फर्क नहीं। फिर एक दिन टीवी पर डा. ऑर्थो तेल एवं कैप्सूल का ऐड देखा। इन्होंने इसे बाजार से मंगवा कर निर्देशानुसार शुरू किया। अब इन्हें दर्द में बिलकुल आराम है।

Madhya Pradesh — पण्डित लक्ष्मी नारायण सत्यार्थी 64 वर्षीय शिक्षक और चिकित्सक हैं। यह लिखते हैं कि 3-4 सालों से मेरे घुटनों, कोहनी और हाथों में बहुत दर्द रहने लगा था। मैंने डा. ऑर्थो आयुर्वेदिक तेल की सुबह शाम हलके हाथ से मालिश की व डा. ऑर्थो के 2-2 कैप्सूल लिए। 5 महीने में ही मुझे जोड़ों के भयंकर दर्द से छुटकारा मिल गया।

Rajasthan — कल्याण प्रसाद जोशी 52 वर्षीय पूजा पाठ का काम करते हैं। पिछले 3 साल से पीठ और घुटनों के दर्द से बहुत परेशान थे। फिर एक दिन इन्होंने टीवी पर आयुर्वेदिक डा. ऑर्थो तेल एवं कैप्सूल का ऐड देखा। इन्होंने इसे तीन महीने यूज किया। वे लिखते हैं कि तीन महीने में तीन साल का दर्द ठीक हो गया।

Odisha — चन्द्रमनी बेयुरिया 71 वर्षीय रिटायर्ड पर्सन हैं। इन्होंने लिखा कि वे पिछले कई सालों से जोड़ों के दर्द से परेशान थे। परंतु डा. ऑर्थो आयुर्वेदिक तेल की सुबह शाम हलके हाथ से मालिश की एवं डा. ऑर्थो के रोजाना 2-2 कैप्सूल लेने से इनकी जिंदगी पहले से बेहतर हो गई है। इसके लिए वे डा. ऑर्थो के दिल से आभारी हैं।

Maharashtra — दत्तात्रेय विनायक दीक्षित 68 वर्षीय समाजसेवी हैं। कुछ समय से घुटनों और जोड़ो में बहुत दर्द था। महंगी दवाईयां भी बेअसर निकली। उम्र बढ़ती जा रही थी लेकिन दर्द कम होता ही नहीं था। एक दिन मेरे मित्र ने आयुर्वेदिक डा. ऑर्थो तेल एवं कैप्सूल दिया और बताया। 40 दिन के इस्तेमाल के बाद मेरा दर्द ठीक है।

Uttar Pradesh — तारिक महमूद 66 वर्षीय व्यापारी है। उन्होंने पत्र लिख कर बताया कि घुटनों और जोड़ो के दर्द ने मुझे परेशान कर दिया था। महंगी दवाईयों का रिजल्ट भी शून्य। परंतु जब से मैंने डा. ऑर्थो तेल व कैप्सूल का प्रयोग करना शुरू किया है, मैं बहुत बेहतर हूँ। मैं अपने सभी जानने वालों को डा. ऑर्थो के बारे में जरूर बताता हूँ।

Gujarat — भास्कर ब्रजलाल सोलंकी 71 वर्षीय रिटायर्ड अध्यापक हैं। उन्होंने लिखा कि कई सालों से उठते-बैठते घुटनों से आवाज आती थी और बिस्तर से उठने की ताकत भी नहीं थी। मैं शुक्रिया कहना चाहता हूँ और आपके माध्यम से सभी को बताना चाहता हूँ कि डा. ऑर्थो आयुर्वेदिक तेल एवं कैप्सूल को जरूर यूज करना चाहिए।

Rajasthan — लोकेश कुमार मालावत 20 वर्ष ने पत्र लिखकर बताया कि इतनी छोटी सी उम्र में ही उन्हें गर्दन में बहुत दर्द रहता था। इलाज से भी फर्क नहीं पड़ा। परंतु आयुर्वेदिक डा. ऑर्थो तेल एवं कैप्सूल के लगातार दो से तीन महीने के इस्तेमाल से आज वह बिल्कुल स्वस्थ महसूस करते हैं और बेहतर जिंदगी जी रहे हैं।

Maharashtra — शांताराम छबेसिंगे राजपूत 61 वर्षीय रिटायर्ड प्रधान अध्यापक हैं। उन्होंने लिखा कि मैं तीन सालों से जोड़ों के दर्द से दुखी था। जब मैंने टीवी पर आयुर्वेदिक डा. ऑर्थो तेल एवं कैप्सूल का ऐड देखा तो उसी दिन इसे खरीद लाया। आज सिर्फ पांच महीने के कंप्लीट कोर्स से कमर और जोड़ो के दर्द में बहुत आराम है।

Punjab — सोहन लाल गुप्ता 68 वर्षीय रिटायर्ड अध्यापक हैं। वह लिखते हैं कि पिछले 2 वर्षों से कंधों और जोड़ों में असहनीय दर्द रहने लगा था। एक दिन टीवी पर आयुर्वेदिक डा. ऑर्थो तेल व कैप्सूल का ऐड देखा जिससे काफी इंस्पायर्ड हुआ। मैंने निर्देशानुसार इसे लेना शुरू किया। 2 महीनों में ही जोड़ों का दर्द बहुत हद तक ठीक हो गया।

Maharashtra — विजय वंसतराव भोंसले 71 वर्षीय रिटायर्ड लाइफ जी रहे हैं। पिछले 6 सालों से इनके घुटनों में दर्द होता था। सूजन की वजह से वह चल फिर भी नहीं सकते थे। एक दिन अखबार में आयुर्वेदिक डा. ऑर्थो तेल एवं कैप्सूल का विज्ञापन देखा तो उसी दिन से पूरी जानकारी लेकर डा. ऑर्थो यूज किया। आज वह बहुत खुश हैं।

Rajasthan — रामकरन खींची 74 वर्षीय घुटनों के दर्द से परेशान थे। हर तरह का इलाज करवाया लेकिन दर्द कुछ समय के लिए बंद होता और फिर दोबारा शुरू हो जाता। लेकिन आयुर्वेदिक डा. ऑर्थो तेल, कैप्सूल के 3-4 महीने के इस्तेमाल से वह आज बहुत स्वस्थ हैं। आज उन्हें किसी भी तरह की अंग्रेजी दवाई की जरूरत नही पड़ती।

Maharashtra — शांताबाई उत्तम राव बन्सोड 67 वर्षीय गृहिणी हैं। वह लिखती हैं कि वे पिछले 1 साल से मेरे पैरों और घुटनों में बहुत दर्द था। डॉक्टर्स को दिखाया, पर आराम नहीं मिला। एक दिन टीवी पर आयुर्वेदिक डा. ऑर्थो तेल, कैप्सूल का ऐड देखा और मेडिकल स्टोर से मंगवा लिया। सिर्फ 2 महीने में ही मुझे दर्द में आराम मिल गया।

Himachal — केवल कुमार दिन भर की भागदौड़ से घुटनों के दर्द की समस्या बढ़ रही थी। काफी डॉक्टरों को दिखाया और दवाईयां भी ली पर कोई फायदा नहीं। फिर एक दिन अखबार में डा. ऑर्थो का विज्ञापन पढ़ा और इन्होंने आयुर्वेदिक डा. ऑर्थो ट्रीटमेंट शुरू किया। सिर्फ डेढ-दो महीने में ही इनकी सभी समस्या जाती रही।

नक्कालों से सावधान
'डा. ऑर्थो' के सभी प्रोडॅक्टस केवल 'डा. ऑर्थो' नाम से ही बनाए जाते हैं, मिलते-जुलते नाम, पैकिंग, शीशी, विज्ञापन से सावधान। सर्वोत्तम डा. ऑर्थो ही खरीदें।